सही बातें
धैर्य

आशीषानुकंपा

शतादब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक

समर्पण समूह

जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज

सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें

धैर्य

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222

जबलपुर : 98276-07171

इन्दौर : 98260-10104

इन्दौर : 94253-16840

भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण

डीसेन्ट ग्राफिक्स, इंदौर

मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने "सही बातें"** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात-सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

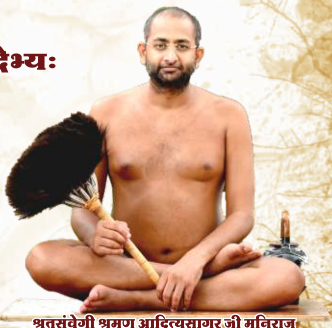

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
धैर्य

वक्त अच्छा हो
या न हो
निर्णय अच्छा होना चाहिये,
मुश्किल वक्त में लिये गये
मजबूत निर्णय
आपकी सारी मुश्किलें
समाप्त कर सकते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

आप अपने
किसी भी प्रयास को
छोटा मत मानिये,
क्योंकि
तिनका-तिनका जोड़कर ही
रस्सी का निर्माण होता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

धैर्य

जिनके सिद्धांत सही हैं
उन्हें बदलाव की
आवश्यकता नहीं है,
और
जिनके सिद्धांत सही न हों
उन्हें सही सिद्धांत के चुनाव की
आवश्यकता है ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

किसी भी व्यक्ति का चुनाव
बहुत सोच-समझकर करें,
गलत चुनाव के प्रभाव से
आपके गुणों का अभाव
हो सकता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

अपनें से छोटों को
हीन मत समझिये,
जो काम सुई कर पाती है
वह काम
तलवार नहीं कर सकती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

आदर्श बनना है
तो आलोचना छोड़ना पड़ेगी,
ध्यान रखें
आदर्श कभी
आलोचक नहीं होता
और
आलोचक कभी
आदर्श नहीं होता ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

महान जीवन के लिये
व्यापार और घर में बदलाव
जरूरी है,
वरना
सामान्य जीवन जीते – जीते
आपका व्यापार और घर
दोनों बदल जायेंगे ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

दूसरों की गलतियों को
दोष के रूप में नहीं
दया के रूप में देखिये
और
ये मत सोचिये कि
वे गलतियाँ क्यों कर रहे हैं ?
यह सोचिये कि
वे गलतियों से कैसे बचें ?...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

आपकी प्रगति
आपकी प्रकृति पर निर्भर करती है,
अगर
प्रगति चाहते हैं
तो अपनी प्रकृति को अच्छा करें
और
प्रकृति अच्छी हो
तो उसे निखारे ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

पहला प्रयास
चारित्र के निर्माण का होना चाहिये
प्रतिष्ठा का नहीं,
क्योंकि
बिना चारित्र के
प्रतिष्ठा किसी काम की नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

छोटे कामों में
अधिक समय देने के कारण
और
बड़े कामों में
थोड़ा समय देने के कारण
आप दुःखी भी हैं
और
असफल भी ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

अगर आपके पास
संपत्ति के साथ-साथ
घमंड और लालच भी
बढ़ रहा हो,
तो संपत्ति आपके पास
ज्यादा दिन तक नहीं टिक सकती ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

धैर्य

रिश्तों में पड़ी खटास को
दूर करने का
सबसे सुंदर उपाय है
बातचीत,
क्योंकि
बातचीत खत्म होते ही
रिश्ते भी खत्म हो जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

लोग कई बार
बड़े फायदे के चक्कर में
बड़ा नुकसान कर बैठते हैं,
लालच बढ़ जाने के कारण
धीरता घट जाने के कारण
ऐसा होता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

आपकी बुरी आदत
आप पर हावी हो
उससे पहले
आप ही उस पर हावी हो जाइये,
अगर
बुरी आदत हावी हो गई
तो बुरा जीवन
प्रारंभ हो जायेगा ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

समस्याओं को
दूर करने के लिये
अच्छे अवसरों पर ध्यान दें,
अच्छे अवसर बढ़ते रहें
तो समस्यायें
अपने आप घटती जाती हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

दोस्त और दुश्मन में
सिर्फ यही फर्क है कि...
दोस्त हमारी बुरी बातों का भी
बुरा नहीं मानते
और
दुश्मन हमारी अच्छी बातों का भी
बुरा मान जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

जो आपके शुभ चिंतक हों
उन्हें बिन माँगे भी
सलाह दिया करें,
ध्यान रखिये
जो आपके बारे में
अच्छा सोचते हैं
उनके लिये अच्छा सोचना
आपका दायित्व है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

आप अपने जीवन में
स्वयं खुश रहना
और
दूसरों को खुश रखना
जरूर सीखिये
और हो सके
तो ये विरासत
अपनी पीढ़ी को
जरूर देकर जाइयेगा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

बुद्धि के विकास के साथ
व्यवहार में भी विकास होना चाहिये,
व्यवहार के अभाव में
बुद्धि का होना
व्यर्थ सा ही है ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

कुशल व्यक्ति
इच्छायें कम
और
काम ज्यादा करता है,
क्योंकि
ज्यादा काम करने से
इच्छायें
स्वतःपूरी हो जाती हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

बड़े-बड़े कामों में
समय तो लगता है,
पर ऐसे काम
लंबे समय तक
याद रखे जाते हैं;
जैसे
देश की आज़ादी ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

हमारे जीवन में अनुकूलता
हमारे भावों से होती है,
परिस्थितियों से नहीं ;
इसलिये
भावों को अनुकूल करें
परिस्थितियों को नहीं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

विवाह होते ही आदमी
व्यस्त भी हो जाता है
और
त्रस्त भी,
इसलिये कहते हैं
जो व्यस्त और त्रस्त है
वो ही गृहस्थ है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

आपके जीवन में
जितना महत्त्वपूर्ण विकास है,
उतना ही महत्त्वपूर्ण
उस विकास को बनाये रखना है,
क्योंकि
विकास के रुक जाने पर
विनाश की संभावना बढ़ जाती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

दूसरों से प्रभावित होना
कोई नई बात नहीं
न ही कोई
बड़ी बात है,
बड़ी बात तो तब है
जब लोग आपसे प्रभावित हों...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

दूसरों की आत्मकथा
तो सभी पढ़ लेते हैं,
पर अपनी आत्मकथा
कुछ विरले ही पढ़ पाते हैं,
इसलिये
उसे ऐसा लिखें कि
आप भी पढ़कर कहें..
सही में सच्चा इंसान है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

हम दुनिया को
जैसा देखना चाहें
वह वैसी ही दिखती है,
इसलिये हमें
अपने नजरिये को सुधारना चाहिये
दुनिया को नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

दुनिया के नज़रिये को
बदलने की ताकत
आप में नहीं है,
आप तो
अपने नज़रिये को संभालिये,
दुनिया
न कभी सुधरी थी
न ही सुधरेगी ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

सलाह और शिक्षा
उसे ही दें
जो उसे माँगे ;
क्योंकि
बिन माँगे मिली चीज़ की
कोई भी कीमत नहीं करता...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

अपने बच्चों को
समझाने की जगह
समझने का प्रयास करें,
जिस दिन आप
उन्हें समझ जायेंगे
आप उन्हें
समझाना बंद कर देंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

किसी भी व्यक्ति से
वार्तालाप के दौरान
आप उसके
भीतरी विचारों को भी समझिये,
तभी आप उसके
अभिप्राय को समझ पायेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

कुछ लोग
बाहर से कठोर होते हैं
कुछ लोग भीतर से,
पर
जो लोग
बाहर और भीतर
दोंनो से कोमल हैं ;
वो ही हृदय पर राज करते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

किसी की भी
गलतियों को देखकर
उसे छेड़िये मत,
क्योंकि
जब वे ही गलतियाँ
आप करेंगे
तो वो आपको छोड़ेगा नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

अगर किसी के प्रति
आपको द्वेष है
तो आप उसे
अपनी बुद्धि तक ही रखें,
हृदय तक न जाने दें,
क्योंकि
बुद्धि की गाँठ
जल्दी खुल जाती है,
पर
हृदय की गाँठ
मुश्किल से खुलती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

अगर आपको
समय की कीमत नहीं हो
और
समय की कीमत जानना हो,
तो उस इंसान से मिल लेना
जिसका जीवन
पाँच मिनट का बचा हो...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

आप स्वयं के प्रति
जितना ईमानदार रहेंगे,
आपके मन में
जीवन में
शांति और विवेक उतना ही बढ़ेगा,
इसलिये
छल मत करिये,
झूठ मत बोलिये,
ईमानदार हो जाइये,
असल फायदा इसी में है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

जिन्हें आप
अपना मानते हैं,
जरूरी नहीं कि
वे लोग आपके काम आयें ;
मगर
जो लोग
मुसीबत में काम आयें
उन्हें आप अपना जरूर मानिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

जरूरी नहीं
हर रोग को
सही करने के लिये
दवा खाना पड़े,
कई रोग
मुस्कान और शब्दों से ही
ठीक हो जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

किसी भी अच्छी बात को
पहले स्वयं में उतारिये
फिर औरों को समझाइये,
क्योंकि
पहले जरूरी है स्वयं का सुधार
इसके बाद दूसरों का...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

जो लोग मंदिर जाते हैं
वो लोग धर्मात्मा हों,
यह जरूरी नहीं है;
लेकिन
जो लोग दूसरों का अच्छा करते हैं
किसी का बुरा नहीं सोचते हैं
वे जरूर धर्मात्मा हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

दिखावटी जीवन
घुन लगे
गेहूँ के समान होता है,
घुन लगा गेहूँ
बाहर से तो चमकता है;
मगर
अंदर से खोखला होता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

बाहरी परिस्थितियाँ
न कभी अच्छी थीं
न ही कभी अच्छी होंगी,
इसलिये
सुख-शांति के लिये
अपने मन को
अपने उद्देश्यों को
दृढ़ और एकाग्र रखिये
बाहरी परिस्थितियों को नहीं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

जितने कीमती आप हैं
उतने ही कीमती
आपके अपने भी हैं,
इसलिये
अपनी जरूरतों के साथ-साथ
अपनों की
जरूरतें भी समझिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

आपकी निराशा का कारण
आपकी अपेक्षायें हैं,
अगर आप
अपेक्षायें करना बंद कर देंगे
तो निराशा भी बंद हो जायेगी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

अपनों के लिये
परायों को
और
परायों के लिये
अपनों को,
कभी धोखा मत देना ;
क्योंकि
धोखा किसी के भी साथ हो
धोखा तो
धोखा ही है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

जीवन के हर मोड़ पर
कुछ न कुछ समस्यायें
अवश्य आती हैं,
लेकिन
जो लोग
समस्याओं को छोड़कर
मंजिल को देखते हैं ;
वो ही लोग
मार्ग तय कर पाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

जब कोई आपसे
कुछ अपेक्षायें करे
तो आप उसमें
खरा उतरने का प्रयास अवश्य करें ;
क्योंकि
अपेक्षायें भी
उन्हीं से होती हैं,
जिनमें कुछ होता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

अपने व्यक्तित्व के
निखार के लिये
सबसे पहले
सच्चाई का सहारा लें,
क्योंकि
जो निखार सच्चाई से आता है
वह चिरस्थायी हो जाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

हम
जो कुछ भी करते हैं
जो कुछ भी कहते हैं,
उसका प्रभाव
हमारे वास्तविक जीवन में पड़ता है,
इसलिये
जो कुछ भी कहें
सोच-समझकर कहें,
जो कुछ भी करें
सोच-समझकर करें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

जो लोग
अपने विकास के दौरान
दूसरों के
विनाश के बारे में सोचते हैं,
उनका विकास
विनाश में बदल जाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

आज कल
नेता बनने की इच्छा
हर किसी में है,
परन्तु
नेता के गुण
हर किसी में नहीं है ;
शायद इसीलिये
नेता तो बढ़ रहे हैं
पर नेतृत्व घट रहा है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

लक्ष्य की प्राप्ति के लिये
कई बार
संबंध और भावनाओं को
अनजान बनकर
अनदेखा करना पड़ता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

योग्य वस्तु को
योग्य व्यक्ति के ही हाथ में दें,
क्योंकि
हीरे की कीमत
जोहरी के ही हाथ में होती है,
कबाड़ी के हाथ में नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

बहुत सी बातें
ऐसी होती हैं
जिन्हें हम
अपनों से कहना तो चाहते हैं,
पर
कह नहीं पाते,
लेकिन
चिंता न करें
हमारे अपने
हमारी आँखों से ही
सब पढ़ लिया करते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

जिंदगी
रोने के लिये नहीं
मुस्कुराने के लिये मिली है,
रोकर इसे
व्यर्थ मत कीजिये,
मुस्कुराकर इसका आनंद लूटिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

रिश्तों की डोर को
शंका जला देती है,
मन की शांति को
इच्छा जला देती है,
ज़िंदगी की मुस्कान को
चिंता जला देती है,
इसीलिये मत कीजिये
शंका, चिंता और इच्छा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

दूसरों को दुःख देकर
उनकी खुशी छीनकर
अगर आपको
आनंद महसूस होता है,
तो आप धोखे में हैं;
आनंद तो दुःख छीनने
और खुशी देने में है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

मिलना और बिछड़ना
जीवन का अंग है,
लेकिन
मिलकर भी न मिलना
और
बिछड़कर भी न बिछड़ना ;
जीवन की कला है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

अगर आप
अपने अंदर कोई बदलाव चाहते हैं
तो अपने भावों में बदलाव लाइये ;
क्योंकि
फलों में बदलाव के लिये
जड़ों में बदलाव आवश्यक है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

कोई भी काम
न तो रिकार्ड तोड़ने के लिये करें
न ही बनाने के लिये,
आप तो बस
मन लगाके काम करें,
नये रिकार्ड भी बनेंगे
और
पुराने भी टूटेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

हुनर
न तो बेचा जाता है
न ही खरीदा जाता है,
हुनर तो स्वयं में होता है,
इसीलिये
दूसरों के हुनर
निहारने की जगह
अपने हुनर को निखारिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

अगर आप
सच बोलने की ताकत रखते हैं,
तो सच सुनने की ताकत भी रखिये,
बहुत कम लोग ही
सच बोल पाते हैं
और
कुछ विरले ही हैं
जो सच सुन पाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

अपने जीवन को
एक ऐसी किताब बनायें,
जिसे लोग पढ़ें भी
और
उसके ऊपर कुछ लिखें भी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

सकारात्मक सोच
आपके जीवन में
आकर्षण भर देती है,
और वह आकर्षण
आपके आस-पास के वातावरण में
सकारात्मकता भर देता है,
सकारात्मक बनें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

धैर्य

ऐसे कार्य
कभी न करें
जो आपके
अपनों को क्षति पहुँचाये,
अपितु
ऐसे कार्यों को अनज़ाम दें,
जो क्षति की पूर्ति करें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

आपके जीवन में हो रही
उन्नति को देखकर
कोई आपके जीवन में दोष लगाये,
तो जवाब देकर
समय बरबाद न करें;
अपनी उन्नति पर
मन को एकाग्र करें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

चिंता वे ही करते हैं
भयभीत वे ही रहते हैं,
जो दूसरों से प्रभावित होते हैं ;
हो सके तो
आज से ही
दूसरों से प्रभावित होना छोड़ दें ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

उपस्थित लोगों के सामने
अनुपस्थित लोगों की निंदा करने से,
आप हमेशा
लोगों के मन से
अपना विश्वास खो देते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

असंतुष्ट व्यक्ति
दूसरों को
जीवन जीते हुये तो देखता है,
पर
स्वयं अच्छा जीवन नहीं जी पाता है;
असंतुष्टि के कारण
उसका जीवन
अधूरा रह जाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

किसी भी निर्णय के पूर्व
दिल और दिमाग
दोंनो की गवाही लें ,
कोई एक भी मना कर दे
तो निर्णय बदल दें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

डिग्रियाँ होना अलग बात है
और
बुद्धि होना अलग बात है,
डिग्रियाँ
बहुतों के पास होती है ;
परन्तु
बुद्धि
विरलों के ही पास होती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

अपनी कमज़ोरियों को बढ़ानेवाले भी
आप ही हैं
और
घटाने वाले भी
आप ही हैं,
कमजोरियों पर
निर्भर होने से
कमजोरियाँ बढ़ती हैं
और
उपेक्षा करने से वे घटती हैं ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

अगर आपके पास
प्रतिष्ठा और प्रभाव है,
तो आपको
किसी भी प्रकार के प्रदर्शन की
आवश्यकता नहीं है;
आपकी प्रतिष्ठा और प्रभाव
स्वयं में दर्शनीय है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

बाज़ार से आप
तरकारी तो खरीद सकते हैं,
परन्तु
समझदारी नहीं खरीद सकते हैं ;
समझदारी एक ऐसा गुण है
जिसे आपको
स्वयं उत्पन्न करना पड़ता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

कुछ चीज़ों का चुनाव
आप करते हैं
और
कुछ चीज़ें
आपको चुनती हैं,
जिस चीज़ का जहाँ नियोग है
वो चीज़ सहज ही
वहाँ पहुँच जाती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

जीवन
दो प्रकार का होता है,
एक ढोंग का
दूसरा ढ़ंग का,
आप चाहें तो
ढोंग का जीवन भी
जी सकते हैं
और
चाहें तो ढ़ंग का जीवन भी जी सकते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

दुनिया को
दोष मत दीजिये
दोष स्वयं को दीजिये,
दुनिया नहीं बदल रही है
वास्तव में
बदल तो आपके परिणाम रहे हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

जो आपके
महत्त्व को समझे
और
आपका गलत फायदा न उठाये,
आप अपना विश्वास
उसे ही दीजिये;
यह कोई सलाह नहीं
मेरा अनुभव है ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

जीवन की इस यात्रा में
हजारों लोग मिलते हैं,
लेकिन
चेहरे और बातें
उन्हीं की याद रहती हैं
जिनसे आप दिल से मिलते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

मुझे गम इस बात का है
लोग हमसे मिलकर
बिछड़ जाते हैं
और
खुशी इस बात है कि
उनकी यादें
कभी नहीं बिछड़ती हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

किसी भी समस्या को
समाप्त करने का उपाय
शुरुआती दौर में ही खोजना चाहिये,
वरना
समय के बढ़ते ही
समस्यायें भी बढ़ती जायेंगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

समस्यायें
चाहे छोटी हों या बड़ी
उन्हें समाप्त करने के उपाय
हमेशा बड़े होना चाहिये,
वरना
समस्यायें पुनः पुनः लौटकर आती हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

बातें बनाना
बहुत सरल है,
उन बातों पर चलना
बहुत कठिन है,
बहुत बातें करने वालों से
मेरा कहना है
कभी चलकर भी दिखाइये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

प्रोत्साहन
एक ऐसी कला है
जिसके दम पर
आप लोगों से
जो भी चाहें
वो करवा सकते हैं,
आप लंगड़े को
दौड़ा भी सकते हैं
और
गूँगे को बुलवा भी सकते हैं ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

हर सुबह
कुछ शर्तें लेकर आती है,
हर शाम
कुछ तजुर्बे देकर जाती है,
मेरी ज़िंदगी
मेरा कितना ख्याल रखती है,
हर रोज कुछ न कुछ
लेकर आती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

आत्मिक गुणों के विकास,
स्वस्थ जीवन के साथ-साथ
प्रतिरोधक क्षमता की
वृद्धि के लिये;
प्रतिदिन
एक मुहूर्त का चिंतन
एवं
लेखन अवश्य करें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

आप
कौन सी किताब पढ़ते हैं?
कैसी सोच रखते हैं?
कहाँ रहना पसंद करते हैं?
किन लोगों की संगत करते हैं?
इन सारी बातों से
आप जान सकते हैं
आप आगे क्या कर सकते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

पुस्तकों का निर्माण
कठिन नहीं है,
लेकिन
जिन पुस्तकों से
जीवन का निर्माण हो सके;
उन पुस्तकों का निर्माण
कठिन है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

बड़े-बूढ़ों से
ली गई सलाह
लाभ-दायक होती है,
मगर
बड़े-बूढ़ों को
दी गई सलाह
हानिकारक होती है;
किससे क्या लेना है?
इसका ध्यान अवश्य रखें ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धैर्य

सुबह उठते ही
पैसा दिखता है,
शाम होते ही
शान्ति दिखती है,
मैं आजतक समझ नहीं पाया
सुबह-शाम में
इतना अंतर क्यों दिखता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर